

**MAA VINDHYAVASINI UNIVERSITY
MIRZAPUR (U.P.)**



Syllabus

For

B.A. SANSKRIT

Four Year Undergraduate Programme

With

One Year P.G. Programme (IX & X Semester)

And

Minor Paper (II & IV Semester)

(NEP-2020 Based Curriculum)

Effective From Session 2026-27

Department of Sanskrit

Faculty of Humanities

Shruti
Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

M.

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
प्रश्नपत्र क्रेडिट-आवंटन
चार-वर्षीय स्नातक कोर्स (संस्कृत)

वर्ष	सेमेस्टर	प्रश्न पत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक / प्रायोगिक	क्रेडिट
प्रथम	1	संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण	सैद्धांतिक	6
	2	गद्य साहित्य , व्याकरण एवं संगणक अनुप्रयोग	सैद्धांतिक	6
		आयुर्वेद का परिचय एवं सिद्धांत (माइनर इलेक्टिव)	सैद्धांतिक	6
द्वितीय	3	संस्कृत नाटक एवं व्याकरण	सैद्धांतिक	6
	4	काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल	सैद्धांतिक	6
		भारतीय ज्ञान परम्परा (माइनर इलेक्टिव)	सैद्धांतिक	6
		रिसर्च प्रोजेक्ट	सैद्धांतिक	3
तृतीय	5	वैदिक वांगमय एवं भारतीय दर्शन	सैद्धांतिक	5
		व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	सैद्धांतिक	5
	6	आधुनिक संस्कृत-साहित्य	सैद्धांतिक	5
		योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (वैकल्पिक-क)	सैद्धांतिक	5
		आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान (वैकल्पिक-ख)	सैद्धांतिक	5
		रिसर्च प्रोजेक्ट	सैद्धांतिक	

नोट –

1. तीन वर्ष स्नातक पूर्ण करने वाले विद्यार्थी अपने मेजर विषय में से किसी एक विषय को लेकर चतुर्थ वर्ष स्नातक (आनर्स) कोर्स कर सकते हैं।
2. स्नातक तीन वर्षों में कुल न्यूनतम 75 % अंकों के साथ उत्तीर्ण विद्यार्थी स्नातक (आनर्स) शोध परियोजना सहित कोर्स करने के पात्र होंगे।
3. FYUP के अंतर्गत स्नातक आनर्स / स्नातक आनर्स शोध परियोजना सहित उत्तीर्ण विद्यार्थी एकवर्षीय स्नातकोत्तर कोर्स हेतु पात्र होंगे।
4. सप्तम एवं अष्टम सेमेस्टर (शोध परियोजना सहित) कोर्स के पंचम प्रश्नपत्र में रिसर्च प्रोजेक्ट होगा , शेष एक से चार प्रश्न पत्र पूर्ववत होंगे।


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinodhvasini University, Mirzapur

स्नातक (आनर्स) प्रोग्राम

वर्ष	सेमेस्टर	वर्ग	प्रश्न-पत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक/ प्रायोगिक	क्रेडिट
चतुर्थ स्नातक(आनर्स)	7	अनिवार्य प्रश्न- पत्र	पेपर-1 वेद तथा वैदिक साहित्य का इतिहास	सैद्धांतिक	4
			पेपर-2 भारतीय दर्शन	सैद्धांतिक	4
			पेपर-3 प्राकृत भाषा का परिचय एवं काव्य	सैद्धांतिक	4
			पेपर-4 व्याकरण	सैद्धांतिक	4
			पेपर-5 पद्यकाव्य	सैद्धांतिक	4
कुल - 20 क्रेडिट					
चतुर्थ स्नातक(आनर्स)	8	अनिवार्य प्रश्न-पत्र	पेपर-1 वेद तथा वैदिक साहित्य का इतिहास	सैद्धांतिक	4
			पेपर-2 भारतीय दर्शन	सैद्धांतिक	4
			पेपर-3 काव्यशास्त्र एवं काव्य	सैद्धांतिक	4
			पेपर- 4 भाषाविज्ञान	सैद्धांतिक	4
			पेपर-5 आदिकाव्य रामायण , महाभारत तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र	सैद्धांतिक	4
क्रेडिट				कुल - 20 -	

अथवा

(75 % या उससे अधिक अंकों सहित उत्तीर्ण विद्यार्थी हेतु कोर्स)
स्नातक (आनर्स) शोध-परियोजना सहित

वर्ष	सेमेस्टर	वर्ग	प्रश्न पत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक / प्रायोगिक	क्रेडिट
चतुर्थ स्नातक (आनर्स) शोध परियोजना सहित	7	अनिवार्य प्रश्न- पत्र	पेपर-1 वेद तथा वैदिक साहित्य का इतिहास	सैद्धांतिक	4
			पेपर-2 भारतीय दर्शन	सैद्धांतिक	4
			पेपर-3 प्राकृत भाषा का परिचय एवं काव्य	सैद्धांतिक	4
			पेपर-4 व्याकरण	सैद्धांतिक	4
			पेपर-5 रिसर्च प्रोजेक्ट		4
कुल - 20 क्रेडिट					
चतुर्थ स्नातक (आनर्स) शोध परियोजना सहित	8	अनिवार्य प्रश्न- पत्र	पेपर-1 वेद तथा वैदिक साहित्य का इतिहास	सैद्धांतिक	4
			पेपर-2 भारतीय दर्शन	सैद्धांतिक	4
			पेपर 3 काव्यशास्त्र एवं काव्य	सैद्धांतिक	4
			पेपर 4 भाषाविज्ञान	सैद्धांतिक	4
			पेपर-5 रिसर्च प्रोजेक्ट		4
कुल - 20 क्रेडिट					

**एकवर्षीय स्नातकोत्तर कोर्स
(साहित्य वर्ग)**

वर्ष	सेमेस्टर	साहित्य वर्ग	प्रश्न पत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक/ प्रायोगिक	क्रेडिट
पंचम (एकवर्षीय स्नातकोत्तर कोर्स)	9	अनिवार्य/ वैकल्पिक प्रश्न- पत्र	पेपर-1 काव्यशास्त्र (अनिवार्य)	सैद्धांतिक	4
			पेपर-2 नाट्यशास्त्र एवं नाटक (अनिवार्य)	सैद्धांतिक	4
			पेपर-3 गद्यकाव्य (अनिवार्य)	सैद्धांतिक	4
			पेपर-4 क (वैकल्पिक) वक्रोक्तिजीवितम्	सैद्धांतिक	4
			पेपर-4 ख (वैकल्पिक) उत्तररामचरितम्	सैद्धांतिक	4
			पेपर-5 रिसर्च प्रोजेक्ट		4
कुल - 20 क्रेडिट					
पंचम (एकवर्षीय स्नातकोत्तर कोर्स)	10	अनिवार्य/ वैकल्पिक प्रश्न- पत्र	पेपर-1 काव्यशास्त्र एवं काव्य (अनिवार्य)	सैद्धांतिक	4
			पेपर-2 नाट्यशास्त्र एवं नाटक (अनिवार्य)	सैद्धांतिक	4
			पेपर-3 गद्य एवं चम्पूकाव्य (अनिवार्य)	सैद्धांतिक	4
			पेपर-4 क (वैकल्पिक) मृच्छकटिकम्	सैद्धांतिक	4
			पेपर-4 ख (वैकल्पिक) रसगंगाधर	सैद्धांतिक	4
			पेपर-5 रिसर्च प्रोजेक्ट		4
कुल - 20 क्रेडिट					

ML

Smruti

(वेद वर्ग)

वर्ष	सेमेस्टर	वेद वर्ग	प्रश्न-पत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक/ प्रायोगिक	क्रेडिट
पंचम	9	अनिवार्य/ वैकल्पिक प्रश्न-पत्र	पेपर-1 संहिता साहित्य (अनिवार्य)	सैद्धांतिक	4
			पेपर-2 ब्राह्मण साहित्य (अनिवार्य)	सैद्धांतिक	4
			पेपर-3 कल्प साहित्य (अनिवार्य)	सैद्धांतिक	4
			पेपर-4 क (वैकल्पिक) वैदिक संस्कृति	सैद्धांतिक	4
			पेपर-4 ख (वैकल्पिक) आरण्यक साहित्य	सैद्धांतिक	4
			पेपर-5 रिसर्च प्रोजेक्ट		4
कुल - 20 क्रेडिट					
पंचम	10	अनिवार्य/ वैकल्पिक प्रश्न-पत्र	पेपर-1 संहिता साहित्य (अनिवार्य)	सैद्धांतिक	4
			पेपर-2 वैदिक व्याकरण एवं स्वर प्रक्रिया प्रकाश (अनिवार्य)	सैद्धांतिक	4
			पेपर-3 निरुक्त एवं प्रातिशाख्य (अनिवार्य)	सैद्धांतिक	4
			पेपर-4 क (वैकल्पिक) वैदिक एवं वैदिकोत्तर साहित्य में स्त्री- प्रस्थिति	सैद्धांतिक	4
			पेपर-4 ख (वैकल्पिक) उपनिषद् एवं याग परिचय	सैद्धांतिक	4
			पेपर-5 रिसर्च प्रोजेक्ट		4
कुल - 20 क्रेडिट					

7/11

Shivvedi

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक प्रथम वर्ष / प्रथम सेमेस्टर (मेजर)
विषय – संस्कृत
प्रश्नपत्र- संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण

क्रेडिट – 6
पूर्णांक -100 (75 +25)

भाग 1

इकाई प्रथम

- (क) वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय
(ख) लौकिककवियों का सामान्य परिचय
वाल्मीकि, व्यास, कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष
(ग) संस्कृत वैयाकरणों का सामान्य परिचय
पाणिनी, कात्यायन, पतंजलि

इकाई-द्वितीय

किरातार्जुनीयम्- प्रथम सर्ग (श्लोक संख्या 1 से 30 तक)
(व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)

इकाई-तृतीय

कुमारसम्भवम्-प्रथम सर्ग श्लोक संख्या 1- 25 तक
(व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)

इकाई-चतुर्थ

नीतिशतकम् (श्लोक संख्या 1 से 25 तक)
(अर्थ एवं मूल्यपरक प्रश्न)


Dean
Faculty of Humanities
Mao Vindhyavasini University, Mirzapur



इकाई - पंचम

लघुसिद्धान्तकौमुदी— माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहारो
का बोध

इकाई-षष्ठ

संज्ञाप्रकरण— हलन्त्यम् से अन्तिम सूत्र तक
(लघुसिद्धान्तकौमुदी)

इकाई-सप्तम

अच् सन्धि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)

इकाई-अष्टम

हल् सन्धि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक सन्धि और सन्धि विग्रह)
पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट)

25 अंक

सतत मूल्यांकन —

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सन्दर्भ ग्रन्थ

- किरातार्जुनीयम्— (प्रथम सर्ग), डॉ० राजेंद्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
- किरातार्जुनीयम्— (प्रथम सर्ग), डॉ० जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली।
- कुमारसंभवम्— (प्रथम सर्ग), डॉ० उमेश चन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय प्रकाशन, गोरखपुर।
- कुमारसंभवम्— (प्रथम सर्ग), श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- नीतिशतकम् भर्तृहरि, (व्या०) सावित्री गुप्ता विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली 2008।
- नीतिशतकम् भर्तृहरि, (व्या०) राकेश शास्त्री परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली 2003।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ० बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, (भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री 1-6 भाग) भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ० उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।




Dean
Faculty of Humanities
Maa Vishwavidyalaya, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक प्रथम वर्ष / द्वितीय सेमेस्टर (मेजर)

विषय – संस्कृत

प्रश्नपत्र- गद्य साहित्य, व्याकरण एवं संगणक अनुप्रयोग

क्रेडिट – 6

पूर्णांक -100 (75 +25)

भाग 1

इकाई—प्रथम

गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास

प्रमुख साहित्यकारों का परिचय – बाणभट्ट, दण्डी , सुबन्धु , अम्बिकादत्त व्यास

इकाई—द्वितीय

शुकनासोपदेश (व्याख्या)

इकाई—तृतीय

शिवराजविजयम् – प्रथम निःश्वास

इकाई—चतुर्थ

हितोपदेश (प्रारम्भ से वृद्धव्याघ्र पथिक कथा पर्यंत)

भाग—2

इकाई - पंचम

विसर्ग सन्धि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक सन्धि और सन्धि विग्रह)

इकाई—षष्ठ

अनुवाद हेतु कारक एवं विभक्ति का ज्ञान

अनुवाद हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी

इकाई सप्तम

कम्प्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कम्प्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न सॉफ्टवेयर, कम्प्यूटर में संस्कृत हिंदी लेखन हेतु उपयोगी टूल्स यूनिकोड, गूगल इनपुट टूल, गूगल असिस्टेन्ट एवं वॉइस टाइपिंग आदि।





Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur

○ इकाई अष्टम

इन्टरनेट का प्रयोग एवं वबे सर्च-ई टेक्स्ट, ई-बुक्स, ई-जनरल, ई-मैगजीन, डिजिटल लाइब्रेरी, ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग प्लेटफॉर्म- जूम, टीम, मीट, वबे'क्स, ऑनलाइन लर्निंग एवं रिसर्च प्लेटफॉर्म-स्वयं,मूक, ई-पाठशाला, डेलनेट, इनपलाइब्रेट, शोधगंगा, गूगल, स्कॉलर आदि।

सतत मूल्यांकन -

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

- शुक्नासोपदेश, डॉ० महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- शुक्नासोपदेश, झा-बन्धु, चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी
- शिवराजविजयम्, डॉ० रमाशंकर मिश्र, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
- हितोपदेश, पं.रामेश्वर भट्ट, संपादक, श्री नारायण राम आचार्य, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्भा भारती अकादमी, वाराणसी 2012।
- रचनानुवादकौमुदी, डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2011।
- कम्प्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इंदौर।
- कम्प्यूटर फण्डामेंटल, पी० के० सिन्हा, बी० पी०बी० पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
- इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, सुमिता अरोरा, चपत राय पब्लिकेशन, नई दिल्ली

Signature

m

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर

स्नातक प्रथम वर्ष / द्वितीय सेमेस्टर

विषय – संस्कृत

प्रश्नपत्र- माइनर

(आयुर्वेद का परिचय एवं सिद्धांत)

क्रेडिट – 6

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई - प्रथम

आयुर्वेद का उद्भव एवं विकास (आयुर्वेद परम्परा : आचार्य चरक के पूर्व एवं पश्चात् , आयुर्वेद के संप्रदायः धनवंतरी एवं पुनर्वसु , आयुर्वेद के प्रख्यात आचार्य : चरक , सुश्रुत , वाग्भट , माधव , शार्ङ्गधर तथा भाव मिश्र)

इकाई – द्वितीय

आयुर्वेद के प्रमुख सिद्धांतों का परिचय (पंचमहाभूत , त्रिगुण , त्रिदोष , त्रिमल , सप्तधातु , त्रयोदशाग्री)

इकाई – तृतीय

आयुर्वेद के आठ अंगों का परिचय (कायचिकित्सा , शल्यतंत्र , शालक्यतंत्र , कौमारभृत्य , अगदतंत्र , भूतविद्या , रसायनतंत्र , वाजीकरण)

इकाई – चतुर्थ

स्वस्थवृत्त एवं जीवन शैली (दिनचर्या , रात्रिचर्या , ऋतुचर्या , आहार –विहार , सदाचार , योग एवं प्राकृतिक-चिकित्सा

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. आयुर्वेद सिद्धांत रहस्य – आचार्य बालकृष्ण , पतंजलि दिव्य प्रकाशन , हरिद्वार
2. The fundamental principles of ayurved , Dr. C Dwarakanath , chaukhambha krishniadas academy , varansi





Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinodhyavasini University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक द्वितीय वर्ष / तृतीय सेमेस्टर (मेजर)
विषय – संस्कृत
प्रश्नपत्र- संस्कृत नाटक एवं व्याकरण

क्रेडिट – 6
पूर्णांक -100 (75 +25)

भाग—एक

इकाई—प्रथम

नाट्य साहित्य परम्परा तथा प्रमुख नाटककार—भास, अश्वघोष, शूद्रक, कालिदास, भवभूति
भट्टनारायण, विशाखदत्त ।

इकाई—द्वितीय

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1-2 अंक)

इकाई—तृतीय

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (3-4 अंक)

इकाई—चतुर्थ

साहित्यदर्पण (नाटक , अंक , पूर्वर्ग , नांदी , प्रस्तावना , विष्कम्भक , प्रवेशक)

भाग—दो

इकाई - पंचम

रूपसिद्धि—सामान्य परिचय
अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)
पुलिंग—राम ।

इकाई—षष्ठ

अजन्त-प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)
स्त्रीलिंग—रमा ।
नपुंसक लिंग—वारि ।
सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूपसिद्धि ।

ML


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinhyavasini University, Mirzapur

○ इकाई—सप्तम

हलन्त-प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)
पुलिंग—राजन्
सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूपसिद्धि ।

इकाई—अष्टम

हलन्त-प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)
स्त्रीलिंग—किम्
नपुंसक लिंग—इदम् ।
सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूपसिद्धि ।

सतत मूल्यांकन —

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ :

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्—डॉ० कपिल देव द्विवेदी
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्—डॉ० उमेश चन्द्र पाण्डेय
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास—उमा शंकर शर्मा "ऋषि"
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी—वरदराज, भैमीव्याख्या—भीमसेन शास्त्री
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी—डॉ० उमेश चन्द्र पाण्डेय


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur



माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक द्वितीय वर्ष/चतुर्थ सेमेस्टर (मेजर)
विषय – संस्कृत
प्रश्नपत्र- काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल

क्रेडिट – 6
पूर्णांक -100 (75 +25)

भाग-एक

इकाई-प्रथम

संस्कृत काव्यशास्त्र परम्परा, प्रमुख सिद्धांत एवं आचार्य
भरतमुनि , भामह , वामन, आनन्दवर्धन, मम्मट, कुन्तक ,
क्षेमेन्द्र

इकाई-द्वितीय

साहित्यदर्पण (प्रथम परिच्छेद)

इकाई-तृतीय

छंद (वृत्तरत्नाकर से अधोलिखित छंद) अनुष्टुप, आर्या, वंशस्थ, द्रुतविलंबित,
वसन्ततिलका, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, मालिनी, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित ।

इकाई-चतुर्थ

अलंकार(साहित्यदर्पणसे अधोलिखित अलंकार)

अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, समासोक्ति

भाग-दो

इकाई - पंचम

विभक्त्यर्थ प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)

इकाई-षष्ठ

संस्कृत निबन्ध

इकाई-सप्तम

संस्कृत भाषा में पत्र लेखन

इकाई-अष्टम

समसामयिक विषयों पर संस्कृत में अनुच्छेद लेखन

Shiradi
Dean
Faculty of Humanities
Man Vindhyavasini University, Mirajpur

○ सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ :-

1. साहित्यदर्पण, शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी ।
2. साहित्यदर्पण, राजकिशोर सिंह प्रकाशक केंद्र ।
3. वृत्तरत्नाकर, श्री केदार भट्ट चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन ।
4. छन्दोऽलंकारसौरभम्, डॉ० सावित्री गुप्ता, दिल्ली ।
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा "ऋषि" चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन ।
6. संस्कृत निबंधशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।
7. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।
8. संस्कृत निबन्धसुधा, राधेश्याम गंगवार, नागराज प्रकाशन पिथौरागढ़ ।


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vaidhyasini University, Mirzapur



माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक द्वितीय वर्ष / चतुर्थ सेमेस्टर (माइजर)
विषय – संस्कृत
प्रश्नपत्र - भारतीय ज्ञान परम्परा

क्रेडिट – 6

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई - प्रथम

संस्कृत ज्ञान परम्परा का सामान्य परिचय

इकाई – द्वितीय

भारतीय संस्कृति का सामान्य परिचय

इकाई – तृतीय

भारतीय कला एवं विज्ञान का सामान्य परिचय

इकाई – चतुर्थ

भारतीय समाज एवं शासन

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1 प्राचीन भारतीय संस्कृति – वीरेंद्र कुमार सिंह , अक्षयवट प्रकाशन , प्रयागराज

2 भारतीय कला – वासुदेवशरण अग्रवाल , पृथ्वी प्रकाशन , वाराणसी ।

3 भारतीय ज्ञान परम्परा सातत्य एवं संवर्धन (भूमिकाएँ) – बलराम शुक्ल


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक तृतीय वर्ष / पंचम सेमेस्टर (मेजर)
विषय – संस्कृत
प्रथम प्रश्नपत्र- वैदिक वांगमय एवं भारतीय दर्शन

क्रेडिट – 6

पूर्णांक -100 (75 +25)

भाग—1

इकाई—प्रथम

वैदिकवाङ्मय का सामान्य परिचय
(संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् , वेदांग)

इकाई—द्वितीय

ऋग्वेद-संहिता अग्निसूक्त(1.1), इन्द्रसूक्त (2.12) पुरुषसूक्त(10.90),
हिरण्यगर्भसूक्त (10.121)

इकाई—तृतीय

यजुर्वेद संहिता—शिवसंकल्पसूक्त, 1 से 6 मन्त्र
अथर्ववेद संहिता – पृथ्वीसूक्त(12.1) (1 से 12 मन्त्र),
राष्ट्राभिवर्धन सूक्त (1.29)

इकाई—चतुर्थ

ईशावास्योपनिषद्
(व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)

भाग—2

इकाई – पंचम

भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय—
नास्तिक दर्शन (चार्वाक ,जैन , बौद्ध)
आस्तिक दर्शन (सांख्य , योग , न्याय , वैशेषिक ,
पूर्व मीमांशा तथा उत्तर मीमांशा)




Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayakdasini University, Mirzapur

○ इकाई—षष्ठ

श्रीमद्भगवद्गीता—द्वितीय अध्याय (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)

इकाई—सप्तम

तर्कसंग्रह (प्रारम्भ से प्रत्यक्षपर्यन्त)

इकाई—अष्टम

तर्कसंग्रह (अनुमान पर्यन्त)

सतत मूल्यांकन —

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट) 15

(ख) मौखिकी 05

(ग) उपस्थिति 05

सहायक ग्रंथ—

- ईशावास्योपनिषद्, गीता प्रेस गोरखपुर 1994
- ऋग्वेद संहिता, रामगोविन्द त्रिवेदी चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
- ऋक्सूक्त सौरभ, डॉ० आर० के० लौ० ज्ञान प्रकाशन मेरठ
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो० राममूर्ति शर्मा चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
- श्रीमद्भगवद्गीता हरि कृष्णदास, गोयनका गीता प्रेस गोरखपुर 2009
- तर्कसंग्रह , अन्नभट्ट , चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा
- तर्कसंग्रह , अन्नभट्ट , केदारनाथ त्रिपाठी , चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
- भारतीय दर्शन, जगदीश चन्द्र मिश्र चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur



माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक तृतीय वर्ष / पंचम सेमेस्टर (मेजर)
विषय – संस्कृत
द्वितीय प्रश्नपत्र- व्याकरण एवं भाषा विज्ञान

क्रेडिट – 6

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

धातुरूपसिद्धि—भू के केवल पांच लकार (लट, लङ्, लृट, लोट, विधि लिङ्)

सूत्र—व्याख्या एवं रूपसिद्धि)

इकाई—द्वितीय

कृदन्त प्रकरण(लघुसिद्धान्तकौमुदी)

कृत्य—तव्यत्, अनीयर, यत्, ण्यत्

इकाई—तृतीय

कृत्—तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, क्त, क्तवतु शतृ, शानच्

इकाई—चतुर्थ

तद्धित प्रकरण—अपत्यार्थ (लघुसिद्धान्तकौमुदी)

इकाई - पंचम

समास प्रकरण—अव्ययीयभाव एवं तत्पुरुष समास
षष्ठी पर्यन्त) (लघुसिद्धान्तकौमुदी)

इकाई—षष्ठ

स्त्री प्रत्यय—टाप् एवं डीप् (लघुसिद्धान्तकौमुदी)

इकाई—सप्तम

भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की विशेषताएँ, भाषा के अनेक
रूप (बोली, भाषा, विभाषा)

इकाई—अष्टम

भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण





Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

संदर्भ ग्रन्थः

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसने शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ० उमेश चन्द्र पाण्डेय चौखम्बा प्रकाशन
3. भाषाविज्ञान एवं भाषा- कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,



Dean
Faculty of Humanities
Maa Vishwanath University, Muzapet

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक तृतीय वर्ष / षष्ठ सेमेस्टर (मेजर)
विषय – संस्कृत
प्रथम प्रश्नपत्र- अनिवार्य
(आधुनिक संस्कृत साहित्य)

क्रेडिट – 6

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

आधुनिक संस्कृत—साहित्य के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रमुख कृतियों का सामान्य परिचय
प्रो० रेवा प्रसाद द्विवेदी, प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो० प्रभुनाथद्विवेदी,
पं.दुर्गादत्त उपाध्याय 'दत्त'

इकाई—द्वितीय

उत्तरसीताचरितम् (महाकाव्य) प्रथम सर्ग 1-25 पद्य

इकाई—तृतीय

जानकीवल्लभशास्त्री कृत काव्य (निनादय नवीनामये वाणि वीणां , अधुना नयनयोर्नहि वारि)

इकाई—चतुर्थ

श्री ओगेटि परीक्षित शर्मा कृत काव्य (हल्दिघाट् रणांगणम्)

इकाई - पंचम

श्रीधरभास्करवर्णेकर कृत काव्य(भाति भारतं , स्वतंत्रता दिनं)

इकाई—षष्ठ

पुल्लेल श्री रामचन्द्रडु कृत काव्य (महान भारतोऽयम्)

इकाई— सप्तम

आचार्य सत्यव्रतशास्त्रीकृत काव्य

(श्रीबोधिसत्व चरितं)

इकाई—अष्टम

पं. दुर्गादत्त उपाध्याय ' दत्त ' कृत अन्योक्तिमुक्तशतक
(प्रारम्भ से श्लोक संख्या 20 तक)

ML


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinodhyavasini University, Mirzapur

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सन्दर्भ ग्रंथ:

1. उत्तरसीताचरित – प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी, कालिदास संस्थानम् वाराणसी।
2. पीयूषम् (आधुनिक संस्कृत काव्य संग्रह) डॉ उमाकांत चतुर्वेदी , शारदा संस्कृत संस्थान , वाराणसी
3. आधुनिक संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास , राधावल्लभ त्रिपाठी , न्यू भारतीय बुक कारपोरेशन , दिल्ली
4. अन्योक्तिमुक्ताशतकम् , पं. दुर्गादत्त उपाध्याय , शक्ति प्रकाशन , विन्ध्याचल , मीरजापुर




माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक तृतीय वर्ष / षष्ठ सेमेस्टर (मेजर)
विषय – संस्कृत
द्वितीय प्रश्नपत्र- क (वैकल्पिक)
(योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा)

क्रेडिट – 6
पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

योग की भारतीय अवधारणा उपयोग एवं महत्त्व प्रमुख आचार्य एवं ग्रंथ

इकाई—द्वितीय

योगसूत्र—समाधि पाद (सूत्र 1 से 15 तक)

इकाई—तृतीय

योगसूत्र—समाधि पाद (16 से 29 तक)

इकाई—चतुर्थ

योगसूत्र—विभूति पाद (सूत्र 1 से 15)

इकाई - पंचम

घेरण्ड हिता—प्रथमापे देश (श्लोक 1 से 15 तक)

इकाई—षष्ठ

घेरण्ड सहिता—प्रथमापेदेश (श्लोक 16 से 32 तक)

इकाई—सप्तम

घेरण्डसहिता द्वितीयोपदेशः(आसनप्रकरणम्)

सिद्धासन, पद्मासन, भद्रासन, वज्रासन, सिंहासन, गोमुखासन

इकाई—अष्टम

घेरण्ड. सहिता — द्वितीयोपदेशः(आसनप्रकरणम्)

वीरासन, धनुरासन, मत्स्यासन, गरुड़ासन, मकरासन, भुजंगासन



Dean
Faculty of Humanities
Man Vidyapeeth University, Mirajpur

○ सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सन्दर्भ ग्रंथ:

- पातजंलयोगदर्शनम्, सुरेश चन्द श्रीवास्तव, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
- घेरण्ड संहिता, घेरण्ड मुनि, भाष्यकार स्वामी जी महाराज, पीताम्बर पीठ, दतिया, मध्य प्रदेश
- यज्ञ चिकित्सा, ब्रह्मवर्चस, शांतिकुंज, हरिद्वार □ योग एवं स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र
रैपिडवेस बुक्स, पुस्तक

Handwritten signature

Handwritten signature
Dean
Faculty of Humanities
Man Vaidya University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर

स्नातक तृतीय वर्ष / षष्ठ सेमेस्टर (मेजर)

विषय – संस्कृत

द्वितीय प्रश्नपत्र- ख (वैकल्पिक)

(आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान)

क्रेडिट – 6

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई-प्रथम

आयुर्वेद का उद्भव एवं विकास एवं सामान्य परिचय,
प्रमुख आचार्य-चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शागर्ड.धर

इकाई-द्वितीय

आयुर्वेद का अर्थ, परिभाषा एवं महत्त्व

इकाई-तृतीय

चरक संहिता – सूत्रस्थानम्

प्रथम अध्याय (श्लोक 41 से 58)

इकाई-चतुर्थ

चरक संहिता – सूत्रस्थानम्

प्रथम अध्याय (श्लोक 59 से 77 तक)

इकाई - पंचम

चरक संहिता – सूत्रस्थानम्

प्रथम अध्याय (श्लोक 78 से 92 तक)

इकाई-षष्ठम

चरक संहिता – सूत्रस्थानम्

दशम अध्याय

इकाई-सप्तम

अष्टांगहृदयम्-वाग्भट

सूत्रस्थानम्- प्रथम-अध्याय 1-19

इकाई-अष्टम

अष्टांगहृदयम् – वाग्भट

सूत्रस्थानम्-प्रथम अध्याय 20-44

सतत मूल्यांकन -

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सन्दर्भ ग्रन्थः

- चरक संहिता, (सम्पा0) ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005
- अष्टांगहृदयम्, वाग्भट, (सम्पा0) ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2014
- आयुर्वेद का बृहद् इतिहास, अत्रिदेव विद्यालंकार, हिंदी समिति, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण 1976
- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय, आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश खंड), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 2006
- आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा वाराणसी
- आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त त्रिपाठी, चौखम्बा, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद, अत्रिदेव विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम संस्करण 1956




Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर

स्नातक चतुर्थ वर्ष / सप्तम सेमेस्टर

(स्नातक आनर्स / स्नातक आनर्स शोध सहित)

विषय – संस्कृत

प्रथम प्रश्नपत्र- वेद तथा वैदिक साहित्य का इतिहास

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई-प्रथम

नासदीय सूक्तम्-ऋग्वेद 10/129

सूर्यसूक्तम्-ऋग्वेद 1/125

वरुण सूक्तम्-ऋग्वेद 1/25

इकाई-द्वितीय

विश्वामित्रनदी संवाद सूक्तम्-ऋग्वेद 3/33

यजुर्वेदीय प्रजापति सूक्तम्-ऋग्वेद 32/1-5

अथर्ववेदीय सामनस्य सूक्तम्-ऋग्वेद 3/30

इकाई-तृतीय

तैत्तिरीयोपनिषद्-शिक्षावल्ली

इकाई-चतुर्थ

ब्राह्मणसाहित्य -; प्रतिपाद्य विषय, विधि एवं उसके

प्रकार अग्निहोत्र, अग्निष्टोम,

दशपूर्णमास यज्ञ, पञ्चमहायज्ञ

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक ग्रन्थ :

1. न्यू वैदिक सलेक्शन-भाग द्वितीय –तैलंग एवं चौबे
2. वेदचयन-डॉ० विश्वम्भर नाथ त्रिपाठी।
3. वैदिक साहित्य का इतिहास-डॉ० कपिलदेव द्विवेदी।


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhya Vasini University, Mirzapur

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक चतुर्थ वर्ष / सप्तम सेमेस्टर
(स्नातक आनर्स / स्नातक आनर्स शोध सहित)

विषय – संस्कृत
द्वितीय प्रश्नपत्र- भारतीय दर्शन

क्रेडिट :-4
पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई-प्रथम

सांख्यकारिका – (ईश्वरकृष्ण कृत) कारिका-1-18

इकाई-द्वितीय

सांख्यकारिका – (ईश्वरकृष्ण कृत) कारिका-19-36

इकाई-तृतीय

तर्कभाषा-(केशवमिश्र कृत) प्रारम्भ से अनुमान प्रमाण तक

इकाई-चतुर्थ

वेदान्तसार (सदानन्द कृत) प्रारम्भ से पंचीकरण तक।

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ :

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी- डॉ आद्याप्रसाद मिश्र।
2. सांख्यकारिका-प्रो० ब्रजमोहन चतुर्वेदी।
3. तर्कभाषा-आचार्य बदरीनाथ शुक्ल।
4. तर्कभाषा-आचार्य विश्वेश्वर।
5. तर्कभाषा-डॉ० श्रीनिवास शास्त्री।
6. वेदान्तसार –प्रो० आद्याप्रसाद मिश्र।
7. वेदान्तसार –प्रो० सन्तनारायण श्रीवास्तव।




माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक चतुर्थ वर्ष / सप्तम सेमेस्टर
(स्नातक आनर्स / स्नातक आनर्स शोध सहित)
विषय – संस्कृत
तृतीय प्रश्नपत्र-
प्राकृत भाषा का परिचय एवं काव्य

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

प्राकृत का परिचय, उत्पत्ति, इतिहास।

इकाई—द्वितीय

प्राकृत व्याकरण।

इकाई—तृतीय

राजशेखर कृत कर्पूरमंजरी, प्रथम एवं द्वितीय जवनिका।

इकाई—चतुर्थ

राजशेखर कृत कर्पूरमंजरी, तृतीय एवं चतुर्थ जवनिका।

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ :

1. भाषाशास्त्र और भाषाविज्ञान—डॉ० कोमलचन्द्र।
2. संस्कृत भाषा का ऐतिहासिक परिचय—डॉ० देवदत्त शर्मा, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी हरियाणा।
3. कर्पूरमंजरी, सम्पादक, पाण्डुरंग जावजी, प्रकाशक, निर्णय सागर ग्रन्थालय, मुम्बई।
4. कर्पूरमंजरी, सम्पादक, पं० परमेश्वरदीन पाण्डेय, प्रकाशक, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
5. प्राकृत व्याकरण—डॉ० कोमलचन्द्र जैन।

Quinch
Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayakdasai University, Mirzapur

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक चतुर्थ वर्ष / सप्तम सेमेस्टर
(स्नातक आनर्स / स्नातक आनर्स शोध सहित)

विषय – संस्कृत
चतुर्थ प्रश्नपत्र- व्याकरण

क्रेडिट – 4
पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

कारक प्रकरण—कर्ता से लेकर कर्म कारक पर्यन्त। (सिद्धान्तकौमुदी)

इकाई—द्वितीय

कारक प्रकरण— करण से लेकर सम्प्रदान कारक पर्यन्त। (सिद्धान्तकौमुदी)

इकाई—तृतीय

कारक प्रकरण— अपादान से लेकर अधिकरण कारक पर्यन्त। (सिद्धान्तकौमुदी)

इकाई—चतुर्थ

पस्पशाह्निक (व्याकरण महाभाष्य प्रथम अध्याय)

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ :

1. वै० सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) –प० राजकिशोरमणि त्रिपाठी।
2. व्याकरण महाभाष्य – चारुदेव शास्त्री




माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक चतुर्थ वर्ष / सप्तम सेमेस्टर
(स्नातक आनर्स)

विषय – संस्कृत

पंचम प्रश्नपत्र- पद्यकाव्य

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

शिशुपालवधम् प्रथम सर्ग आरम्भ से श्लोक संख्या 30 तक

इकाई—द्वितीय

पूर्वमेघ प्रारम्भ श्लोक संख्या 20 तक

इकाई—तृतीय

पूर्वमेघ श्लोक संख्या 21 से 40 तक

इकाई—चतुर्थ

पूर्वमेघ श्लोक संख्या 41 से अंत तक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक ग्रन्थ

- शिशुपालवधम्, श्री रामजी लाल शर्मा, चौकम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- मेघदूत – डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी
- मेघदूत – श्री शेषराज शर्मा रेग्मी
- मेघदूत – पं० केदारनाथ शर्मा




Dean
Faculty of Humanities
Maa Vaidhyasani University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक चतुर्थ वर्ष / अष्टम सेमेस्टर
(स्नातक आनर्स / स्नातक आनर्स शोध सहित)
विषय – संस्कृत

प्रथम प्रश्नपत्र- वेद तथा वैदिक साहित्य का इतिहास

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

वाक् सूक्तम्—ऋग्वेद 10/125

पर्जन्य सूक्तम्—ऋग्वेद 5/83

कितव सूक्तम्—ऋग्वेद 10/34

ज्ञानसूक्तम्—ऋग्वेद 10/71

इकाई—द्वितीय

शतपथ ब्राह्मण—वाङ्मनस संवादः -1/4/5/8-13

ऐतरेय आरण्यक—पुरुष विभूति-2/1/7/1

वृहदारण्यकोपनिषद् आत्मतत्त्वविवचेन -6/4

इकाई—तृतीय

तैत्तिरीयापनिषद्—ब्रह्मानन्दवल्ली ।

इकाई—चतुर्थ

आरण्यक—उपनिषद् एवं वेदांग साहित्य का सामान्य परिचय ।

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ :

(सप्तम सेमेस्टर के ही सहायक ग्रन्थ अष्टम सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में भी उपयोगी होंगे ।


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक चतुर्थ वर्ष / अष्टम सेमेस्टर
(स्नातक आनर्स / स्नातक आनर्स शोध सहित)

विषय – संस्कृत
द्वितीय प्रश्नपत्र- भारतीय दर्शन

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई-प्रथम

सांख्यकारिका – 37-54 पर्यन्त ।

इकाई-द्वितीय

सांख्यकारिका – 55-72 पर्यन्त ।

इकाई-तृतीय

तर्कभाषा-उपमान प्रमाण से लेकर प्रामाण्यवाद पर्यन्त ।

इकाई-चतुर्थ

वेदान्तसार –पचीकरण के अनन्तर अन्त तक ।

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक ग्रन्थ :

(सप्तम सेमेस्टर के ही सहायक ग्रन्थ अष्टम सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में भी उपयोगी होंगे।)


Dr. P. N. Reddy
Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinodhyavasini University, Mirzapur

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक चतुर्थ वर्ष / अष्टम सेमेस्टर
(स्नातक आनर्स / स्नातक आनर्स शोध सहित)
विषय – संस्कृत
तृतीय प्रश्नपत्र- काव्यशास्त्र एवं काव्य

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई - प्रथम

काव्यप्रकाश प्रथम एवं द्वितीय उल्लास

इकाई – द्वितीय

काव्यप्रकाश नवम उल्लास : वक्रोक्ति , अनुप्रास , यमक , श्लेष अलंकार

इकाई – तृतीय

काव्यप्रकाश दशम उल्लास (अधोलिखित अलंकार)

(उपमा , उत्प्रेक्षा , रूपक , सन्देह , अपहनुति , समासोक्ति , निदर्शना , दीपक , अप्रस्तुतप्रशंसा , दृष्टान्त , तुल्ययोगिता , व्यतिरेक , विभावना , विशेषोक्ति , परिसंख्य , काव्यलिंग , भ्रांतिमान , संकर , संसृष्टि)

इकाई – चतुर्थ

रघुवंश प्रथम सर्ग प्रारम्भ से 40 तक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	0

सहायक ग्रन्थ :

1. काव्यप्रकाश— आचार्य विश्वेश्वर
2. रघुवंश—हरगोविन्द मिश्र, प्रकाशन—चौखम्बा, संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
3. रघुवंश—आचार्य शेषराज शर्मा, रेग्मी चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी।



Dean
Faculty of Humanities
Maa Vishwanath University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
स्नातक चतुर्थ वर्ष / अष्टम सेमेस्टर
(स्नातक आनर्स / स्नातक आनर्स शोध सहित)

विषय – संस्कृत
चतुर्थ प्रश्नपत्र- भाषाविज्ञान

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

भारोपीय परिवार का सामान्य परिचय, भारत—ईरानी शाखा की भाषाओं का वर्गीकरण, प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं।

इकाई—द्वितीय

ध्वनिविज्ञान , ध्वनि नियम (ग्रिम , ग्रासमान, वर्नर)

इकाई—तृतीय

अर्थविज्ञान एवं पदविज्ञान

इकाई—चतुर्थ

वाक्य का लक्षण व भेद , वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत में अंतर

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ :

1. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र और :- कपिल देव द्विवेदी
2. भाषाविज्ञान—डॉ० भोलानाथ तिवारी।
3. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन—डॉ० भोलाशंकर व्यास।
4. संस्कृत भाषा—टी०बरो (अनुवादक—डॉ० भोलाशंकर व्यास)।
7. संस्कृत भाषा का ऐतिहासिक परिचय—डॉ० देवदत्त शर्मा, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी हरियाणा।



Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayakdasai University, Mirzapur

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर

स्नातक चतुर्थ वर्ष / अष्टम सेमेस्टर

(स्नातक आनर्स)

विषय – संस्कृत

पंचम प्रश्नपत्र- आदिकाव्य रामायण , महाभारत एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई – प्रथम

आदिकाव्य रामायण का परिचय , रामायण की उपजीव्यता , रामायण का आदिकाव्यत्व

इकाई – द्वितीय

रामायण का सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व , रामायण तथा महाभारत की तुलनात्मक दृष्टि

इकाई-तृतीय

महाभारत का परिचय , महाभारत की उपजीव्यता , महाभारत का सांस्कृतिक महत्त्व

इकाई - चतुर्थ

पाश्चात्य काव्यशास्त्र का परिचय तथा प्रमुख आचार्य (प्लूटो , अरस्तू , होरेश , लॉन्जाइनस तथा क्रोचे)

अरस्तू , लॉन्जाइनस तथा क्रोचे के काव्यशास्त्रीय सिद्धांत

सतत मूल्याङ्कन

(क) पाठ्यक्रम आधारित अधिन्यास-पत्र (असाइनमेंट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक-ग्रन्थ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र , देवेन्द्रनाथ शर्मा , मयूर पेपर बैक , नोयडा
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र , भागीरथ मिश्र , विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य इतिहास , डॉ उमा शंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्भा भारती अकादमी , वाराणसी
4. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास , कपिल देव द्विवेदी , राजनारायण प्रकाशन इलाहाबाद


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vishwvasini University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / नवम सेमेस्टर
विषय – संस्कृत (साहित्य वर्ग)
प्रथम प्रश्नपत्र - अनिवार्य
(काव्यशास्त्र)

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई-प्रथम

काव्यप्रकाश तृतीय उल्लास

इकाई-द्वितीय

काव्यप्रकाश चतुर्थ उल्लास कारिका संख्या 1 से 29 तक

इकाई-तृतीय

काव्यप्रकाश चतुर्थ उल्लास 29 से अन्त तक

इकाई-चतुर्थ

काव्यप्रकाश पंचम उल्लास

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक ग्रन्थ :

1. काव्यप्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर
2. काव्यप्रकाश – डॉ० रामसागर त्रिपाठी
3. काव्यप्रकाश – डॉ० श्रीनिवास शास्त्री




Dean
Faculty of Humanities
Maa Vaidhyavanini University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / नवम सेमेस्टर
विषय – संस्कृत (साहित्य वर्ग)
द्वितीय प्रश्नपत्र- अनिवार्य
(नाट्यशास्त्र एवं नाटक)

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

दशरूपक अवलोक सहित, प्रथम प्रकाश

इकाई—द्वितीय

दशरूपक अवलोक सहित, द्वितीय प्रकाश

इकाई—तृतीय

रत्नावली नाटिका प्रथम तथा द्वितीय अंक

इकाई—चतुर्थ

रत्नावली नाटिका तृतीय तथा चतुर्थ अंक

सतत मूल्यांकन –

- | | |
|---|----|
| (क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट) | 15 |
| (ख) मौखिकी | 05 |
| (ग) उपस्थिति | 05 |

सहायक ग्रन्थः

1. दशरूपकम् – डॉ० बैजनाथ पाण्डेय
2. दशरूपकम् – डॉ० भोलाशंकर व्यास
3. रत्नावली नाटिका – डॉ० बैजनाथ पाण्डेय
5. भवभूति और उनकी नाट्यकला – डॉ० अयोध्या प्रसाद सिंह

M


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayakdasini University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / नवम सेमेस्टर
विषय – संस्कृत (साहित्य वर्ग)
तृतीय प्रश्नपत्र- अनिवार्य
(गद्यकाव्य)

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई-प्रथम

हर्षचरित, प्रथम उच्छ्वास आरम्भ से श्लोक संख्या 21 तक

इकाई-द्वितीय

हर्षचरित, प्रथम उच्छ्वास श्लोक संख्या 22 के बाद 'तां निशामनयत्' तक

इकाई-तृतीय

हर्षचरित, प्रथम उच्छ्वास 'अन्येद्युरुदिते भगवति' से 'व्यचेष्टत् मधुकरकुलैः' तक

इकाई-चतुर्थ

हर्षचरित, 'अथ गणारात्रापगमे' से अन्त तक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक ग्रन्थः

1. हर्षचरितम् – श्री जगन्नाथ पाठक
2. बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन – डॉ० अमरनाथ पाण्डेय



Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinodhyavasini University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / नवम सेमेस्टर
विषय – संस्कृत (साहित्य वर्ग)
चतुर्थ प्रश्नपत्र- क (वैकल्पिक)
(वक्रोक्तिजीवितम्)

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई-प्रथम

वक्रोक्तिजीवितम् के प्रथमोन्मेष प्रथम कारिका से 10 कारिका पर्यन्त

इकाई-द्वितीय

वक्रोक्तिजीवितम् के प्रथमोन्मेष 11 कारिका से 20 कारिका पर्यन्त

इकाई-तृतीय

वक्रोक्तिजीवितम् के प्रथमोन्मेष 21 कारिका से 30 कारिका पर्यन्त

इकाई-चतुर्थ

वक्रोक्तिजीवितम् के प्रथमोन्मेष 31 कारिका से 40 कारिका पर्यन्त

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ

1. वक्रोक्तिजीवितम् – श्री राधेश्याम मिश्र, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. वक्रोक्तिजीवितम् – श्री परमेश्वरदीन पाण्डेय
3. वक्रोक्तिजीवितम् – डॉ० दशरथ द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।



Dean
Faculty of Humanities
Maa Vishwadevi University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / नवम सेमेस्टर
विषय – संस्कृत (साहित्य वर्ग)
चतुर्थ प्रश्नपत्र- ख (वैकल्पिक)
(उत्तररामचरितम्)

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई-प्रथम

उत्तररामचरितम्, -प्रथम एवं द्वितीय अंक

इकाई-द्वितीय

उत्तररामचरितम्, -तृतीय एवं चतुर्थ अंक

इकाई-तृतीय

उत्तररामचरितम् पंचम एवं षष्ठ अंक

इकाई-चतुर्थ

उत्तररामचरितम् सप्तम अंक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक ग्रन्थ :

1. उत्तररामचरितम्, पं. रामाधार शर्मा , चौखम्भा विद्या भवन , वाराणसी
2. उत्तररामचरितम्, रमाशंकर मिश्र , चौखम्भा संस्कृत सीरिज , वाराणसी
3. उत्तररामचरितम्, डॉ. राम अवध पाण्डेय , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी



Dean
Faculty of Humanities
Man Vindhyavasini University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / दशम सेमेस्टर
विषय – संस्कृत (साहित्य वर्ग)
प्रथम प्रश्नपत्र- अनिवार्य
(काव्यशास्त्र एवं काव्य)

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई-प्रथम

ध्वन्यालोक, प्रथम उद्योत आरम्भ से कारिका संख्या 13 की वृत्ति 'विभक्त एवं ध्वनेर्विषय इति दर्शितम्' तक

इकाई-द्वितीय

ध्वन्यालोक, प्रथम उद्योत का शेष भाग

इकाई-तृतीय

नैषधीयचरित, प्रथम सर्ग आरम्भ से श्लोक संख्या 25 तक

इकाई-चतुर्थ

नैषधीयचरित, प्रथम सर्ग 26 से श्लोक संख्या 50 तक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ :

1. ध्वन्यालोक प्रथम उद्योत – राम सागर त्रिपाठी
2. नैषधीयचरितम्-शेषराज शर्मा रेग्मी
3. नैषधपरिशीलन – डॉ० चण्डिका प्रसाद शुक्ल
4. ध्वन्यालोक – जगन्नाथ पाठक
5. ध्वन्यालोक – आचार्य विश्वेश्वर


Quireck
Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinodhyavasini University, Mirzapur

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / दशम सेमेस्टर
विषय – संस्कृत (साहित्य वर्ग)
द्वितीय प्रश्नपत्र - अनिवार्य
(नाट्यशास्त्र एवं नाटक)

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

दशरूपक अवलोक सहित, तृतीय प्रकाश

इकाई—द्वितीय

दशरूपक अवलोक सहित, चतुर्थ प्रकाश

इकाई—तृतीय

वेणीसंहार नाटक प्रथम अंक

इकाई—चतुर्थ

वेणीसंहार नाटक द्वितीय अंक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक ग्रन्थ :

1. दशरूपक— डॉ० केशवराव मुसलगाँवकर, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
2. दशरूपक— डॉ० बैजनाथ पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. वेणीसंहार — पं० रामदेव झा मैथिल, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. वेणीसंहार —पं० परमेश्वरदीन पाण्डेय
5. वेणीसंहार — पं० गौरीनाथ पाठक


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayakdasini University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / दशम सेमेस्टर
विषय – संस्कृत (साहित्य वर्ग)
तृतीय प्रश्नपत्र- अनिवार्य
(गद्य एवं चम्पू काव्य)

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई-प्रथम

दशकुमारचरितम् (प्रथमोच्छ्वास) प्रारम्भ से मन्त्रिपुत्राणामुत्पत्ति पर्यन्त

इकाई-द्वितीय

नलचम्पू , प्रथम उच्छ्वास आरम्भ से श्लोक संख्या 16 तक

इकाई-तृतीय

नलचम्पू , प्रथम उच्छ्वास श्लोक संख्या 17 से 33 तक

इकाई-चतुर्थ

नलचम्पू , प्रथम उच्छ्वास श्लोक संख्या 34 से 44 तक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ :

1. दशकुमारचरितम्-टी0 विश्वनाथ झा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. दशकुमारचरितम्-राजपाल प्रकाशन
3. नलचम्पू – कैलाशपति त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
4. नलचम्पू – परमेश्वरदीन पाण्डेय

Shivadi
Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayakdas University, Mirzapur

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / दशम सेमेस्टर
विषय – संस्कृत (साहित्य वर्ग)
चतुर्थ प्रश्नपत्र- क (वैकल्पिक)
(मृच्छकटिकम्)

क्रेडिट – 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई-प्रथम

मृच्छकटिकम् प्रथम अंक से तृतीय अंक तक

इकाई-द्वितीय

मृच्छकटिकम् चतुर्थ अंक से पंचम अंक तक

इकाई-तृतीय

मृच्छकटिकम् षष्ठ अंक से सप्तम अंक तक

इकाई-चतुर्थ

मृच्छकटिकम् अष्टम अंक से दशम अंक तक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक ग्रन्थ

मृच्छकटिकम्, जयशंकर लाल त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी




Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / दशम सेमेस्टर
विषय – संस्कृत (साहित्य वर्ग)
चतुर्थ प्रश्नपत्र- ख (वैकल्पिक)
(रसगंगाधर)

क्रेडिट – 4
पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई - प्रथम

प्रथम आनन प्रारंभ से तदधमं चतुर्थम् तक

इकाई – द्वितीय

प्रथम आनन रस-स्वरूप – समुचित ललितइत्याहु रभिनवगुप्तपादाचार्यः पर्यन्त

इकाई – तृतीय

प्रथम आनन - शब्दगुण निरूपण

इकाई – चतुर्थ

प्रथम आनन - अर्थगुण निरूपण

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. रसगंगाधर , पं बट्टीनाथ झा , चौखम्भा विद्या भवन , वाराणसी
2. रसगंगाधर , भट्ट मथुरानाथ शास्त्री , निर्णय सागर , मुंबई
3. रसगंगाधर , मधुसूदन शास्त्री , काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

मॉ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर/नवम सेमेस्टर
विषय : संस्कृत (वेद वर्ग)
प्रथम प्रश्नपत्र (अनिवार्य)
(संहिता साहित्य)

क्रेडिट - 4
पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई-प्रथम

ऋग्वेदीय प्रथम मण्डल सूक्त 1 से 3 तक

इकाई-द्वितीय

ऋग्वेदीय प्रथम मण्डल सूक्त 4 से 6 तक

इकाई-तृतीय

ऋग्वेदीय प्रथम मण्डल सूक्त 7 से 8 तक

इकाई-चतुर्थ

ऋग्वेदीय प्रथम मण्डल सूक्त 9 से 10 तक

सतत मूल्यांकन -

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक ग्रन्थः

1. ऋग्वेद संहिता - उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'

2. सूक्त रत्नसंग्रह - गोपालचन्द्र मिश्र



मॉ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / नवम सेमेस्टर
विषय : संस्कृत (वेद वर्ग)
द्वितीय प्रश्नपत्र (अनिवार्य)
(ब्राह्मण साहित्य)

क्रेडिट - 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई-प्रथम

ऐतरेय ब्राह्मण 33वाँ अध्याय

इकाई-द्वितीय

ऐतरेय ब्राह्मण 34-35वाँ अध्याय

इकाई-तृतीय

शतपथ-ब्राह्मण प्रथम काण्ड 1 से 3 ब्राह्मण

इकाई-चतुर्थ

गोपथ ब्राह्मण-भाग 1/2/1-5

सतत मूल्यांकन -

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक ग्रन्थः

1. ऐतरेय ब्राह्मण - डॉ० सुधाकर मालवीय, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी
2. शतपथ-ब्राह्मण-
3. गोपथ ब्राह्मण-



माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर/नवम सेमेस्टर
विषय : संस्कृत (वेद वर्ग)
तृतीय प्रश्नपत्र (अनिवार्य)
(कल्प साहित्य)

क्रेडिट - 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई-प्रथम

कात्यायनश्रौतसूत्र अध्याय 4, कण्डिका 7-10

इकाई-द्वितीय

कात्यायनश्रौतसूत्र अध्याय 4, कण्डिका 11-15

इकाई-तृतीय

पारस्करगृह्यसूत्र प्रथम काण्ड, कण्डिका 1-10 तक

इकाई-चतुर्थ

पारस्करगृह्यसूत्र प्रथम काण्ड, कण्डिका 11-19 तक

सतत मूल्यांकन -

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)

15

(ख) मौखिकी

05

(ग) उपस्थिति

05

सहायक ग्रन्थः

1. कात्यायनश्रौतसूत्र - प० विद्याधर गौड़
2. पारस्करगृह्यसूत्र- सुधाकर मालवीय
3. पारस्करगृह्यसूत्र-प्र० ओम प्रकाश पाण्डेय

मॉ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर/नवम सेमेस्टर
विषय : संस्कृत (वेद वर्ग)
चतुर्थ प्रश्नपत्र—वैकल्पिक (क)
वैदिक संस्कृति

क्रेडिट - 4
पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

वैदिक वर्ण व्यवस्था, वैदिक आश्रम व्यवस्था, वैदिक नगर जीवन, वेदकालीन ग्राम्य जीवन, वेदकालीन आवासीय क्षेत्रों का स्वरूप, वेदकालीन गृह्य वस्तुएं।

इकाई—द्वितीय

वेदकालीन राजनैतिक व्यवस्था, ग्राम, विश, जन, राजा, राजकीय पदाधिकारी, शासन प्रणालियाँ, राजनैतिक परिषदें—सभा, समिति, विदथ।

इकाई—तृतीय

वेदकालीन शिक्षा व्यवस्था, शिक्षा का उद्देश्य, शिक्षा का स्वरूप, उपनयन काल, उपनयन की तिथि, छात्रों के प्रकार, स्त्री शिक्षा की विविधता, स्नातक के प्रकार।

इकाई—चतुर्थ

पुनर्विवाह, मनोरंजन के साधन, कृषि व्यवस्था।

सतत मूल्यांकन —

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ:

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी।
2. वैदिक साहित्य और संस्कृति — डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसंधान परिषद, ज्ञानपुर, भदोही (उ०प्र०) चतुर्थ संस्करण 2008
3. प्राचीन भारतीय इतिहास का वैदिक युग—सत्यकेतु विद्यालंकार, श्री सरस्वती सदन, नई दिल्ली, सन् 2001
4. वैदिक शिक्षा पद्धति—डॉ० भास्कर मिश्र, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, सन् 2003

मॉ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / नवम सेमेस्टर
विषय : संस्कृत (वेद वर्ग)
चतुर्थ प्रश्नपत्र—वैकल्पिक (ख)
आरण्यक साहित्य

क्रेडिट - 4
पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

तैत्तिरीय आरण्यक द्वितीय प्रपाठक 1 से 5 अनुवाक

इकाई—द्वितीय

तैत्तिरीय आरण्यक द्वितीय प्रपाठक 6 से 10 अनुवाक

इकाई—तृतीय

तैत्तिरीय आरण्यक द्वितीय प्रपाठक 11 से 15 अनुवाक

इकाई—चतुर्थ

तैत्तिरीय आरण्यक द्वितीय प्रपाठक 16 से 20 अनुवाक

सतत मूल्यांकन —

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थः

1. तैत्तिरीय आरण्यक, प्रथम भाग, डॉ जमुना पाठक, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी
2. तैत्तिरीय आरण्यक, प्रथम भाग, महादेव शास्त्री, गवर्नमेन्ट ओरियण्टल लाइब्रेरी सीरीज, मैसूर

मॉ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / दशम सेमेस्टर
विषय : संस्कृत (वेद वर्ग)
प्रथम प्रश्नपत्र— अनिवार्य
(संहिता साहित्य)

क्रेडिट - 4
पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

शुक्लयजुर्वेद 16 वाँ अध्याय 1 से 20 मन्त्र तक

इकाई—द्वितीय

शुक्लयजुर्वेद 16 वाँ अध्याय 21 से 40 मन्त्र तक

इकाई—तृतीय

पृथिवीसूक्त / भूमिसूक्त— अथर्ववेद 12.1.1 (प्रारम्भ से 20 मन्त्र मात्र)
राष्ट्राभिर्विधानम् सूक्त— अथर्ववेद 1. 29

इकाई—चतुर्थ

अथर्ववेद का परिचय— शाखाएं, विषयवस्तु, अथर्वपरिशिष्ट
वैदिक व्याख्या पद्धतियाँ

सतत मूल्यांकन —

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ:

1. शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिन संहिता)—प्रो० रमेश कुमार पाण्डेय
2. अथर्ववेद— प्रो० श्रीराम शर्मा आचार्य
3. तैत्तिरीय संहिता— आर० एल० कश्यप

मॉ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर/दशम सेमेस्टर
विषय : संस्कृत (वेद वर्ग)
द्वितीय प्रश्नपत्र— अनिवार्य
(वैदिक व्याकरण एवं स्वरप्रक्रिया प्रकाश)

क्रेडिट – 4
पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

सिद्धान्त कौमुदी वैदिकी प्रक्रिया—प्रथम अध्याय

इकाई—द्वितीय

स्वरप्रक्रिया प्रकाश प्रथम—द्वितीय प्रकाश तक

इकाई—तृतीय

स्वरप्रक्रिया प्रकाश तृतीय—चतुर्थ प्रकाश तक

इकाई—चतुर्थ

स्वरप्रक्रिया प्रकाश पंचम—षष्ठ प्रकाश तक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थः

- : 1. वैदिकी प्रक्रिया— दामोदर महतो
2. स्वरप्रक्रियाप्रकाश — प्रो० वामदेव मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, भीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / दशम सेमेस्टर
विषय : संस्कृत (वेद वर्ग)
तृतीय प्रश्नपत्र— अनिवार्य
(निरुक्त एवं प्रातिशाख्य)

क्रेडिट – 4
पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

निरुक्त, प्रथम अध्याय— 1-3 पाद

इकाई—द्वितीय

निरुक्त, प्रथम अध्याय— 4-6 पाद

इकाई—तृतीय

निरुक्त, सप्तम अध्याय— 1-7 पाद

इकाई—चतुर्थ

ऋग्वेद प्रातिशाख्य, प्रथम पटल

सतत मूल्यांकन —

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थः

- : 1. पिंगल छन्दसत्रू (वैदिक प्रकरणम्) — आचार्य पिंगल
2 ऋग्वेद प्रातिशाख्य — डॉ० वी० वी० चौबे
3 निरुक्त — डॉ० उमाशंकर शर्मा ऋषि

मॉ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / दशम सेमेस्टर
विषय : संस्कृत (वेद वर्ग)
चतुर्थ प्रश्नपत्र— वैकल्पिक—क
(वैदिक एवं वैदिकोत्तर साहित्य में स्त्री—प्रस्थिति)

क्रेडिट - 4

पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

सहिताओं में नारी, स्त्री की सामाजिक स्थिति, नारी के राजनैतिक अधिकार, स्त्री शिक्षा—ब्रह्मवादिनी, सद्योद्वाहा, उपाध्याया, स्त्री के अन्य अधिकार, स्त्री के कर्तव्य, पत्नी के गुण।

इकाई—द्वितीय

ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषदों में नारी।

इकाई—तृतीय

स्मृतियों में नारी की सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक स्थिति। स्त्रियों के विशेषाधिकार, नियोग,

स्त्रीधन— अध्यग्नि, अध्यावहनिक, प्रीतिदत्त, शुल्क, अन्वाधेय, सौदायिक।

इकाई—चतुर्थ

वेदांगों में नारी। प्राचीन भारत में विधवा विवाह एवं पुनर्विवाह।

सतत मूल्यांकन —

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ:

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति—डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसंधान परिषद, ज्ञानपुर, भदोही, चतुर्थ संस्करण
2. स्मृतियों में नारी—डॉ० भारती आर्य, विश्वभारती अनुसंधान परिषद, ज्ञानपुर, भदोही, द्वितीय संस्करण—2007 ई०

मॉ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर
एकवर्षीय स्नातकोत्तर / दशम सेमेस्टर
विषय : संस्कृत (वेद वर्ग)
चतुर्थ प्रश्नपत्र— वैकल्पिक—ख
(उपनिषद् एवं याग परिचय)

क्रेडिट - 4
पूर्णांक -100 (75 +25)

इकाई—प्रथम

छान्दोग्य उपनिषद् सप्तम अध्याय का पूर्वार्द्ध

इकाई—द्वितीय

छान्दोग्य उपनिषद् सप्तम अध्याय का उत्तरार्द्ध

इकाई—तृतीय

याग परिचय— हविर्यज्ञ संस्था

इकाई—चतुर्थ

याग परिचय— सोमयज्ञ संस्था

सतत मूल्यांकन —

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थः

1. छान्दोग्य उपनिषद् (शांकरभाष्य सहित) — गीता प्रेस, गोरखपुर
2. श्रौतयज्ञपरिचय
3. कात्यायन श्रौतसूत्र भूमिका — पं० विद्याधर गौड़